Need to establish a Central Tribal University in Southern Rajasthan- Laid

डॉ. मन्ना लाल रावत (उदयपुर) : दक्षिण राजस्थान का अधिकांश भाग राष्ट्रपति जी की अधिसूचना दिनांक 18 मई, 2018 के अनुसार अनुसूचित क्षेत्र के अधीन आता है । यह क्षेत्र गुजरात व मध्य प्रदेश राज्य के अनुसूचित क्षेत्र से सटा हुआ है । तीनों राज्यों के इन क्षेत्रों में लगभग डेढ करोड़ से अधिक जनजातीय जनसंख्या है । देश में अमरकंटक (मध्यप्रदेश), विजयनगरम (आंध्रप्रदेश) एवं मुलुगु (तेलंगाना) में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित किए है । इनमें से दो केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालयों (विजयनगरम एवं मुलुगु) की स्थापना माननीय मोदी जी की सरकार में की गई है । उक्त तीनों जनजातीय विश्वविद्यालय दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय क्षेत्र से 1000-1500 किमी दूरी पर स्थित है । निवेदन है कि राजस्थान के मेवाड वागड़ क्षेत्र सहित तीन राज्यों के मुख्यतः अनुसूचित क्षेत्र के युवाओ की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता व वैश्विक आवश्यकता की पूर्ति के लिए दक्षिण राजस्थान में एक केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने की आवश्यकता है ।